INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII- 2nd Lang	Department: Hindi	Date -16/10/2022
Lesson 7 - नीलकंठ	Topic: प्रश्नोत्तर और व्याकरण	Note: Pl File in portfolio

अति लघु उत्तरीय प्रश्न-

प्रश्न1. मोर की कलगी कैसी थी?

उत्तर- मोर की कलगी बहुत लंबी और चमकीली थी|

प्रश्न2. मोर, चील, और बाज़ में एकमात्र समानता क्या है?

उत्तर- मोर, चील और बाज़ में एक समानता यह होती है कि ये सभी हिंसक होते हैं।

प्रश्न3. लेखिका ने मोर-मोरनी को कितने रूपए में ख़रीदा था?

उत्तर- लेखिका ने पैंतीस रुपए में ख़रीदा था।

प्रश्न4. नीलकंठ पंखों को मंडलाकार बनाकर कब नाचता था?

उत्तर- काले-काले बादलों को देखते ही नीलकंठ पंखों को मंडलाकार बनाकर नाचता था।

प्रश्न5. बड़े मियाँ ने किससे मोर के बच्चों को खरीदा था?

उत्तर- बड़े मियाँ ने शंकरगढ़ के एक चिड़ीमार से मोर के बच्चों को ख़रीदा था।

प्रश्न6. जल की लहरों में नीलकंठ का रूप कैसे सजीव हो उठा था?

उत्तर- गंगा-यमुना पर सूर्य की किरणों के प्रकाश पड़ते ही नीलकंठ का रूप इंद्र धनुष के समान चमक उठा था|

प्रश्न7. विदेशी महिलाएँ नीलकंठ को क्या कहती थीं?

उत्तर- विदेशी महिलाएँ नीलकंठ को 'परफैक्ट जेंटिलमैन' कहती थीं|

लघु उत्तरीय प्रश्न-

प्रश्न1. मोर-मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?

उत्तर- मोर की गरदन नीली थी, इसलिए उसका नाम नीलकंठ रखा गया जबकि मोरनी मोर के साथ-साथ रहती थी अतः उसका नाम राधा रखा गया।

प्रश्न2. लेखिका ने ड्राइवर को किस ओर चलने का आदेश दिया और क्यों?

उत्तर- लेखिका ने स्टेशन से लौटते समय ड्राइवर को बड़े मियाँ की दुकान की ओर चलने का आदेश दिया क्योंकि उन्हें चिड़ियों और खरगोशों की दुकान की याद आ गई थी|

प्रश्न3. लेखिका को देखकर नीलकंठ अपनी प्रसन्नता कैसे प्रकट करता था?

उत्तर- लेखिका को देखकर नीलकंठ मंडलाकार रूप में अपने पंख फैलाकर उनके सामने अपनी प्रसन्नता प्रकट करता था।

प्रश्न4. वसंत ऋतु में नीलकंठ के लिए जाल घर में बंद रहना कठिन क्यों हों जाता था?

उत्तर- वसंत ऋतु मोर की प्रिय ऋतु होती है| इसमें पेड़ों पर नए पत्ते आते हैं, आम के पेड़ों पर बौर (फूल) आते हैं, अशोक नए लाल पत्तों से भर जाते हैं। वातावरण में खुशबू फ़ैल जाती हैं। इसलिए वसंत ऋतु में नीलकंठ के लिए बंद रहना कठिन हो जाता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1. लेखिका को नीलकंठ की कौन-कौन सी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?

उत्तर- नीलकंठ देखने में बहुत सुंदर था| वैसे तो उसकी हर चेष्टा ही अपने आप में आकर्षक थी लेकिन महादेवी को निम्न चेष्टाएँ अत्यधिक भाती थीं जैसे-

1 गर्दन ऊँची करके देखना और पानी पीना।

2 विशेष भंगिमा के साथ गर्दन नीची कर दाना चुगना।

3 गर्दन को टेढ़ी करके शब्द सुनना।

4 महादेवी के हाथों से हौले-हौले चने उठाकर खाना।

5 महादेवी के सामने पंख फैलाकर खड़े होना।

प्रश्न2. जाली के बड़े घर में पहुँचने पर मोर के बच्चों का किस प्रकार स्वागत हुआ?

उत्तर- मोर के शावकों को जब जाली के बड़े घर में पहुँचाया गया तो दोनों का स्वागत ऐसे किया गया जैसे नव वधू के आगमन पर किया जाता है। लक्का कबूतर नाचना छोड़

उनके चारों ओर घूम-घूमकर गुटरगूं-गुटरगूं करने लगा, बड़े खरगोश गंभीर भाव से कतार में बैठकर उन्हें देखने लगे। छोटे खरगोश उनके आसपास उछल-कूद मचाने लगे। तोते एक आँख बंद करके उन्हें देखने लगे।

प्रश्न3. वसंत ऋतु में नीलकंठ के लिए जालीघर में बंद रहना असहनीय क्यों हो जाता था?
उत्तर- वसंत ऋतु में जब आम के वृक्ष सुनहली मंजरियों से लद जाते थे और अशोक के वृक्ष नए पत्तों में ढँक जाते थे तब नीलकंठ जालीघर में अस्थिर हो जाता था। वसंत ऋतु में वह किसी घर में बंदी रहना नहीं चाहता था उसे पुष्पित और पल्लवित वृक्ष भाते थे। असहनीय स्थिति को देखने के बाद उसे बाहर छोड़ना पड़ता था।

&&&&&&&

व्याकरण भाग – नोट- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। जैसे -गुलाब लाल है। वह कुत्ता काला है। सेब मीठे होते हैं।

प्रश्न-1 दिए गए वाक्यों में से विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए|

1. हमारे विद्यालय के बाहर विशाल मैदान है ।
2. मुझे लाल-लाल सेब बहुत पसंद हैं।
3. अजय ने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है|
4. मुझे गरम चाय चाहिए।
5. वह लड़की बहुत शर्मीली है।
6. आलसी व्यक्ति जीवन में कभी सफल नहीं होते।
7. बाज़ार से दो लीटर दूध लेते आना|
8. आम के बगीचे में सौ पेड़ हैं|

प्रश्न-2 निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए:-

1. अशुद्ध रूप- मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आऊँगा।
   शुद्ध रूप- मैं रविवार को तुम्हारे घर आऊँगा।

2. अशुद्ध रूप- आठ बजने को दस मिनट है।
   शुद्ध रूप- आठ बजने में दस मिनट है।

3. अशुद्ध रूप- यहाँ शुद्ध गाय का घी मिलता है।
   शुद्ध रूप- यहाँ गाय का शुद्ध घी मिलता है।

4. अशुद्ध रूप- तेरी बात सुनते-सुनते मेरे कान पक गए।
   शुद्ध रूप – तुम्हारी बातें सुनते-सुनते मेरे कान पक गए।

5. अशुद्ध रूप- पेड़ों पर चिड़िया बैठी है।
   शुद्ध रूप- पेड़ पर चिड़िया बैठी है|

6. अशुद्ध रूप- मैंने तेरे को कितना समझाया।
   शुद्ध रूप - मैंने तुझे कितना समझाया|

7. अशुद्ध रूप- तुम क्या काम करता है?
   शुद्ध रूप - तुम क्या काम करते हो?

8. अशुद्ध रूप- सारी रात भर मैं जागता रहा।
   शुद्ध रूप - मैं सारी रात जागता रहा।

&&&&&&&

खुश रहिए ! मुस्कराते रहिए ! स्वस्थ रहिए !